www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

UGC NET Paper 3 December 30, 2007 Shift 1 History Question Paper

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

D—0607

PAPER—III

HISTORY

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

www.prepp.in

HISTORY

इतिहास

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION - I

खण्ड – I

Note : Read the passage given below and answer the question numbers 1 to 5. Each answer should not be in more than 30 words. Each question carries 5 (Five) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और प्रश्न संख्या (1) से (5) तक का उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर में (30) से अधिक शब्द नही हों। प्रत्येक प्रश्न के (5) (पाँच) अंक हैं।

(5x5=25 अंक)

Under the special conditions of development of the Muslim Society in Hindūstān, it was natural to expect that the '*Ulamā* would acquire an undue prominence. Before Sultān 'Alā-ud-dīn Khalji, no monarch had sufficient courage to put an effective check to the growing influence of the 'Ulamā, in spite of their sometimes acting in a manner contrary to his interests.

Sultān 'Alā-ud-dīn felt it necessary to define the exact functions of the 'Ulamā under the Sultanat, and to compel them to confine all their activities strictly within these prescribed limits. These limits were : to decide on judicial cases and to arbitrate on purely religious matters ; all other matters were put outside their scope.

The Sultān, however, held all real power, and though he humoured the Sūfīs now and then, he ruled very strictly according to the demands of a situation, and religious considerations found no favour with him. Muhammad Tughluq wanted to go a step further in secularising the State. He put the 'Ulamā exactly on the same footing as other employees of the State, and treated them accordingly.

With the advent of Fīrūz Tughluq the tide turned somewhat in favour of the 'Ulamā and the growth of religious influence in State counsels. The theologians took advantage of the numerous failures of Muhammad Tughluq, and persuaded his successor to listen to their advice in matters of State policy.

A number of law-books were compiled, new impetus was given to religious schools and other institutions, and the 'Ulamā had reassumed their earlier position and influence when the invasion of Tīmūr took place. But meanwhile the State was too well organized to admit the influence of the religious class except in certain matters of comparative insignificance. The Afghāns, on coming to power, treated the 'Ulamā with marked respect but never admitted them to any effective voice in the administration. On the other hand, they used the religious influence of the theologians for their own ends.

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

हिन्दुस्तान में मुस्लिम समाज के विकास की विशेष परिस्थितियों में यह आशा करना स्वाभाविक था कि उलमा अनुचित प्रसिद्धि प्राप्त कर लेगा। सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी के पहले किसी भी शासक में उलमा की बढ़ती हुई शक्ति पर अंकुश लगाने का साहस नहीं था, यद्यपि उलमा कभी–कभी सुल्तान के हितों के विरुद्ध भी कार्य कर देता था।

सुल्तान अलाउद्दीन ने सल्तनत के अन्तर्गत् उलमा के ठीक कार्यों की परिभाषा करने और उनके सारे कार्यकलाप केवल निर्धारित सीमाओं के अन्तर्गत सीमित रखने के लिए उन्हें बाध्य करना आवश्यक समझा। ये सीमाएँ इस प्रकार थी: न्यायिक मामलों में निर्णय देना और शुद्ध धार्मिक मामलों में मध्यस्थ का कार्य करना, अन्य सारे मामले उनके क्षेत्र से बाहर रखे गए थे।

किन्तु सारी वास्तविक शक्ति सुल्तान के हाथ में थी और यद्यपि वह यदाकदा सूफियों को अनुगृहीत कर देता था, वह परिस्थिति की माँग के अनुसार बड़ी कठोरता से शासन करता था और धार्मिक बातों का उसके सम्मुख कोई स्थान नहीं था। मुहम्मद तुग़लक राज्य को धर्मनिरपेक्ष बनाने में एक कदम आगे बढ़ना चाहता था। उसने उलमा को बिल्कुल उसी दर्जे पर रखा जिस पर राज्य के अन्य कर्मचारियों को रखा गया था और वैसा ही उनसे व्यवहार भी किया।

फ़ीरोज़ तुग़लक के आगमन के साथ लहर उलमा के कुछ पक्ष में मुड़ीं और राजकीय मंत्रणा में धार्मिक प्रभाव की वृद्धि होने लगी। धर्म–शास्त्रियों ने मुहम्मद तुग़लक की बहुसंख्यक असफलताओं का लाभ उठाया और उसके उत्तराधिकारी को राज्य की नीति के मामलों में अपनी सलाह मानने के लिए उकसाया।

अनेक कानूनी पुस्तकों की रचना की गई, धार्मिक विद्यालयों और अन्य संस्थाओं को एक नवीन प्रोत्साहन दिया गया और तिमूर के आक्रमण के समय तक उलमा ने अपनी पूर्वस्थिति और प्रभाव पुन: प्राप्त कर लिया था। किन्तु राज्य इतना सुसंगठित था कि अपेक्षाकृत कम महत्व के कुछ मामलों को छोड़ कर अन्य मामलों में धार्मिक वर्ग का प्रभाव नगण्य था। अफ़गानों ने सत्ता सम्पन्न होने पर उलमा से सम्मानपूर्ण व्यवहार किया किन्तु प्रशासन में उनकी किसी भी प्रभावकारी आवाज़ को प्रवेश नहीं करने दिया। इसके विपरीत उन्होंने धर्मशास्त्रियों के धार्मिक प्रभाव का प्रयोग अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया।

www.prepp.in

prepp
Your Personal Exams Guide

1. Which class of people among the Muslims is known as *Ulemā* ?

मुस्लिम समुदाय के किस वर्ग को *उलेमा* कहा गया है?

2. What was the role of the *Ulemā* in the Muslim society of Hindustan before the reign of Alā-ud-dīn Khalji ?

अला–उद्–दीन खिलजी के शासन काल से पूर्व मुस्लिम समाज में *उलेमा* की क्या भूमिका थी?

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

3. Mention briefly the attitude of Alā-ud-dīn khalji towards the *Ulemā*.

उलेमा के प्रति अला–उद्–दीन ख़िलजी के दृष्टिकोण का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

4. Compare Muhammad Tughluq's attitude towards the *Ulemā* with that of Fīrūz Tughluq.

उलेमा के प्रति मुहम्मद बिन तुग़लक एवं फिरोज़ तुग़लक के दृष्टिकोणों की तुलना कीजिए।

www.prepp.in

5. Would you characterise the Delhi Sultanate as a theocratic State ?
क्या आप दिल्ली सल्तनत का चित्रण एक धार्मिक राज्य के रूप में करेंगें?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen 15 (fifteen) questions. All questions are compulsory. Each answer should not be in more than 30 (thirty) words. Each question carries 5 (five) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस भाग में 15 (पंद्रह) प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक उत्तर में 30 (तीस) से अधिक शब्द नहीं होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न (5) पाँच अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

www.prepp.in

6. Discuss the extent of the Harappan Civilization.

हड़प्पा सभ्यता के विस्तार की विवेचना कीजिए।

7. Who were the Lichchhavis ?

लिच्छवि कौन थे?

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

8. Write a note on Patanjali.
पतंजलि पर एक टिप्पणी लिखिए।

9. What was result of the war between Harsha and Pulakeshin II ?
हर्ष और पुलकेशिन द्वितीय के युद्ध का क्या परिणाम था?

www.prepp.in

10. Briefly describe the Nalanda University.

नालन्दा विश्वविद्यालय का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

11. Explain the philosphy of *Vishistadvaitvad*.

विशिष्टाद्वैतवाद दर्शन की व्याख्या कीजिए।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

12. What do you understand by *du-aspa* and *sih-aspa* rank ?

द्वि-आस्पा और *सह-अस्पा* पद से आप क्या समझते हैं?

13. Who were *taaluqdars* ?

ताल्लुक़दार कौन थे?

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

14. What was the vocation of the *Banjaras* ?

बन्जारों का क्या व्यवसाय था?

15. What do you mean by *Baluta* ?

बालूता से आपका क्या अभिप्राय है?

www.prepp.in

16. What was meant by the Commercialization of Agriculture in the 19th Century ?

उन्सीवी शताब्दी में कृषि के वाणिज्यीकरण के क्या अर्थ थे?

17. Contours of Non-Brahmin movements in Western and Southern India.

पश्चिमी और दक्षिण भारत में ग़ैर ब्राह्मण आन्दोलनों को रेखांकित कीजिए।

Prepp
Your Personal Exams Guide

18. Basic features of 'Cabinet Mission Plan'.

'कैबिनेट मिशन योजना' की मूल विशेषताएँ।

19. 'Enlightened Despotism'. Explain.

'प्रबुद्ध निरंकुशवाद', व्याख्या कीजिए।

www.prepp.in

prepp
Your Personal Exams Guide

20. Discuss the role of out-size men in influencing the course of history.

इतिहास की धारा को प्रभावित करने में असाधारण व्यक्तित्व के लोगों की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I
विकल्प – I

21. Discuss the chalcolithic cultures of central India.

मध्य भारत की ताम्रश्म संस्कृतियों की विवेचना कीजिए।

22. Trace the causes of the religion movements in the sixth century B.C.

ई.पू. छठी शताब्दी के धार्मिक आन्दोलनों के कारणों को रेखांकित कीजिए।

Prepp
Your Personal Exams Guide

23. Give an account of the Greek sources of the Mauryan history.
मौर्य इतिहास के यूनानी स्रोतों का वर्णन कीजिए।

24. Assess the significance of the scientific developments of the Gupta Age.
गुप्त काल में वैज्ञानिक विकास के महत्व का आकलन कीजिए।

25. Discuss the *'Advaitavada'* of Shankara.
शंकर के *'अद्वैतवाद'* की विवेचना कीजिए।

OR / अथवा

Elective - II
विकल्प – II

21. Discuss the measures taken by Alā-ud-din Khalji to check the power and influence of the *Muqaddams Khuts* and *Chaudhris* ?
मुक़द्दम खूत एवं *चौधरियों* की शक्ति को नियंत्रित करने के लिए अला-उद्-दीन द्वारा लिए गये उपायों की व्याख्या कीजिए।

22. What were the main features of the non-sectarian movement led by Kabir or Nanak ?
कबीर अथवा नानक द्वारा चलाये गए संप्रदाय-विरोधी आन्दोलन की मुख्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

23. Discuss Firūz Tughulq's concept of benevolence and people's welfare.
फिरोज़ तुग़लक़ की जन कल्याण एवं प्रजा वत्सलता की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

24. Bring out salient features of business practices in medieval India.
मध्यकालीन भारत में वाणिज्य से सम्बन्धित परम्पराओं का विवरण दीजिए।

25. Do you agree with the view that institutional defects played a large part in the failure of the Marathas ?
क्या आप इस बात से सहमत हैं कि संस्थागत दोष ही मराठों की असफलता के कारण थे ?

OR / अथवा

Elective - III
विकल्प – III

21. 'We have no right to seize Sind, yet we shall do so and a very advantageous, useful humane piece of rascality it will be'. Discuss.
'हमें सिन्ध को हड़प लेने का कोई अधिकार नहीं है, फिर भी ऐसा करेंगे, और यह बहुत ही लाभप्रद, उपयोगी और मानवीय धूर्तता का काम होगा'। व्याख्या कीजिए।

22. Explain the essential features of the ryotwari system of land revenue with special reference to Thomas Munro's contribution to its evolution.
भू-राजस्व की रैय्यतवाड़ी व्यवस्था की मौलिक विशिष्टताओं की व्याख्या, इसके विकास में थॉमस मुनरो के योगदान के विशेष संदर्भ में करें।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

23. 'The roots of Moplah discontent were clearly agrarian _ _ _'. Discuss.
'मोपला असंतोष के मूल कारण स्पष्टत: कृषि से सम्बन्धित थे _ _ _ ' व्याख्या कीजिए।

24. 'No where was the influence of the missionaries felt more than in relation to the women's movement.
'मिशनरियों का प्रभाव नारी आन्दोलन के सम्बन्ध में जितना प्रतीत हुआ उससे अधिक अन्यत्र कहीं नहीं हुआ था।'

25. The uprising of 1857 was really a revolt of Awadh. Explain.
1857 का विद्रोह वास्तव में अवध की क्रान्ति था। व्याख्या कीजिए।

Prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

www.prepp.in

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION - IV
खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in upto one thousand (1000) words.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में केवल एक प्रश्न चालीस (40) अंकों का है जो निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Evaluate 'Rajataranginī as a source of ancient Indian history.

प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत के रूप में राजतरंगिणी का मूल्यांकन कीजिए।

OR / अथवा

Explain the major characteristics of the Mughal school of paintings.

मुग़ल चित्रकला शैली की मुख्य विशेषताओं की विवेचना कीजिए।

OR / अथवा

Trace the industrial growth of the British after the First World War. How did the Governments tariff policy influence the growth ?

प्रथम विश्वयुद्ध के बाद ब्रिटिश भारत के औद्योगिक विकास की रूप रेखा प्रस्तुत कीजिए। कैसे सरकार की शुल्क नीति ने इस विकास को प्रभावित किया?

prepp
Your Personal Exams Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....